स्वतंत्र चेतना

राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर अंगदाता परिवारों का हुआ सम्मान

अंगदान महादान का दिया जनजागरण संदेश

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। 16वें राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर एम्स ऋषिकेश के अंग प्रत्यारोपण विभाग ने मोहन फाउंडेशन के सहयोग से अंगदान जागरूकता वॉकाथॉन, फ्लैग मार्च और सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. मीनू सिंह ने आस्था पथ पर हरी झंडी दिखाकर किया। वॉकाथॉन में चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ‡अंगदान‡महादान‡ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इस अवसर पर अंगदान के प्रतीक के रूप में पहली बार उत्तराखंड में जानकी सेतु को हरी रोशनी से आलोकित किया गया, जिसे अंगदाता परिवारों के सम्मान में एक ऐतिहासिक पहल माना गया। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025-26 के जीवित किडनी दाताओं, मृतक अंगदाता एवं देहदानी परिवारों को सम्मानित किया गया।

प्रो. डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार के साथ इस विषय पर चर्चा कर संकल्प लेना चाहिए। अंग प्रत्यारोपण विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि एम्स उत्तराखंड में मृतक अंगदान कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए लगातार जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम में डीन शैक्षणिक प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. सत्यश्री बालिजा, डॉ. अंकुर मित्तल सहित एम्स एवं मोहन फाउंडेशन के अनेक विशेषज्ञ और अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय अंगदान दिवस एम्स ऋषिकेश ने निकाली अंगदान जागरूकता

अंगदाता एवं देहदानी परिवारों को सम्मान ने नवाजा, जानकी सेतु हरित रोशनी से हुआ आलोकित

राजेश शर्मा

ऋषिकेश। 16वें राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर अंग प्रत्यारोपण विभाग, एम्स ऋषिकेश द्वारा मोहन फाउंडेशन के सहयोग से अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में दिवंगतजनों के अंगदान एवं देहदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा अंगदाता परिवारों के अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः आस्था पथ पर आयोजित अंगदान जागरूकता वॉकाथॉन एवं फ्लैग मार्च से हुई, जिसका शुभारंभ एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने किया। वॉकाथॉन में एम्स के चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अंगदान -महादान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

गंगा तट स्थित आस्था पथ पर आयोजित इस वॉकाथॉन ने स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करते हुए अंगदान के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया इस अवसर पर अंग प्रत्यारोपण विभाग, एम्स ऋषिकेश, मोहन फाउंडेशन एवं लोक निर्माण विभाग पी डब्लू डी ऋषिकेश के संयुक्त प्रयास से जानकी सेतु को हरे रंग की रोशनी से प्रकाशित किया गया। हरा रंग विश्वभर में अंग एवं ऊतक दान का प्रतीक माना जाता है। उत्तराखंड में पहली बार अंगदाता परिवारों के सम्मान में किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थल को इस प्रकार हरित रोशनी से प्रकाशित किया गया, जो राज्य के अंगदान अभियान में एक ऐतिहासिक एवं स्मरणीय पहल है।

इसके उपरांत आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2025-26 के जीवित गुर्दा किडनी दाताओं, अब तक के मृतक अंगदाता परिवारों तथा देहदान करने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित परिवारों के अद्वितीय साहस, संवेदनशीलता एवं मानवता के प्रति समर्पण को नमन करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा प्रत्येक नागरिक को अपने परिवार के साथ इस विषय पर चर्चा कर अंगदान का संकल्प लेना चाहिए, अंग प्रत्यारोपण विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि एम्स ऋषिकेश, उत्तराखंड में मृतक अंगदान कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जन-जागरूकता अभियान, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण तथा समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राज्य में अंगदान की संस्कृति को विकसित करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं डॉ.अंकुर मित्तल ने कहा कि अंगदान केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं का सर्वोच्च उदाहरण है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस जीवनदायी अभियान से जुड़ना चाहिए कार्यक्रम में डीन शैक्षणिक प्रोफेसर डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो.सत्यश्री बालिजा, प्रो. संजीव मित्तल, उपनिदेशक प्रशासन लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल मेहरा, डॉ.आर. सारंगा भारती, डॉ. विक्रम पंवार, डॉ. शैलेन कंडारी, डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डॉ. सुनीता मुन्न, डॉ. अनंद शर्मा, डॉ. लोकेश अरोड़ा, डॉ. ज्योति पत्नायक, डॉ. दीपक कुमार धून, डॉ. साहिल गर्ग,डॉ. कमलदीप सिंह, ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर वृषभ पंचाल, देशराज सिंह सोलंकी, मोहन फाउंडेशन की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में सभी नागरिकों से अंगदान का संकल्प लेने तथा अंगदाता परिवारों के इस महान योगदान का सम्मान करने का आह्वान किया गया।

अमर उजाला

अंगदान-महादान का संदेश, जानकी सेतु बना जागरूकता का प्रतीक

वॉकाथॉन और फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को अंगदान के लिए किया गया जागरूक

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और अंगदाताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से बुधवार को एम्स के अंग प्रत्यारोपण विभाग, मोहन फाउंडेशन और लोक निर्माण विभाग के संयुक्त प्रयासों से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जानकी सेतु को अंगदान के वैश्विक प्रतीक हरे रंग की रोशनी से सजाया गया।

हरे रंग में जगमगाता जानकी सेतु। एम्स

कार्यक्रम की शुरुआत आस्था पथ पर आयोजित अंगदान जागरूकता वॉकाथॉन और फ्लैग मार्च से हुई। इसके बाद देर शाम जानकी सेतु को हरे रंग की रोशनी से प्रकाशित किया गया। हरा रंग विश्वभर में अंग एवं ऊतक दान का प्रतीक माना जाता है। उत्तराखंड में पहली बार अंगदाता परिवारों के सम्मान में किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थल को इस तरह हरित रोशनी से सजाया गया। गंगा तट पर पहुंचे श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने इस पहल की सराहना की। हरित रोशनी से जगमगाता जानकी सेतु देर शाम तक लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा और अंगदान-महादान का संदेश हजारों लोगों तक पहुंचा।

अंगदाताओं और देहदान करने वालों के परिजन हुए सम्मानित

एम्स में आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2025-26 के जीवित गुर्दा (किडनी) दाताओं, अब तक के मृतक अंगदाता परिवारों व देहदान करने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित परिवारों के अद्वितीय साहस, संवेदनशीलता एवं मानवता के प्रति समर्पण को नमन करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। इस अवसर पर एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा प्रत्येक नागरिक को अपने परिवार के साथ इस विषय पर चर्चा कर अंगदान का संकल्प लेना चाहिए।

हिन्दुस्तान

वॉकथॉन के जरिए दिया अंगदान का संदेश

ऋषिकेश, संवाददाता। अंगदान दिवस पर मंगलवार को एम्स द्वारा आस्था पथ पर अंगदान जागरूकता वॉकाथॉन एवं फ्लैग मार्च आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया।

एम्स ऋषिकेश में 16वां राष्ट्रीय अंगदान दिवस धमधाम से मनाया गया। एम्स अंग प्रत्यारोपण विभाग ने मोहन फाउंडेशन के सहयोग से अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम किए। उन्होंने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा प्रत्येक नागरिक को अपने परिवार के साथ इस विषय पर चर्चा कर अंगदान का संकल्प लेना चाहिए।

अंग प्रत्यारोपण विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि एम्स उत्तराखंड में मृतक अंगदान कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जन-जागरूकता अभियान, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण तथा समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राज्य में अंगदान की संस्कृति को विकसित करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. अंकुर मित्तल ने कहा कि अंगदान केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं का सर्वोच्च उदाहरण है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस जीवनदायी अभियान से जुड़ना चाहिए। इस दौरान वॉकथॉन में एम्स के चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने अंगदान महादान का संदेश जन-जन तक पहुंचा।

जानकी सेतु से दिया अंगदान का संदेश

एम्स के अंग प्रत्यारोपण विभाग, मोहन फाउंडेशन एवं लोक निर्माण विभाग ऋषिकेश के संयुक्त प्रयास से जानकी सेतु को हरे रंग की रोशनी से प्रकाशित किया गया। उत्तराखंड में पहली बार अंगदाता परिवारों के सम्मान में किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थल को इस प्रकार हरित रोशनी से प्रकाशित किया गया, जो राज्य के अंगदान अभियान में एक ऐतिहासिक एवं स्मरणीय पहल है।

अंगदाता परिवारों का हुआ सम्मान: एम्स में अंगदान दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2025-26 के जीवित गुर्दा (किडनी) दाताओं, अब तक के मृतक अंगदाता परिवारों तथा देहदान करने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित परिवारों के अद्वितीय साहस और मानवता के प्रति समर्पण को नमन करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित: एम्स में आयोजित कार्यक्रम में डीन शैक्षणिक प्रोफेसर डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. सत्यश्री बालिजा, प्रो. संजीव मित्तल, उपनिदेशक प्रशासन लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल मेहरा, डॉ. आर. सारंगा भारती, डॉ. विकास पंवार आदि मौजूद रहे।